मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने के लिए एक रोडमैप तैयार करें: पीएम मोदी

आदिवासियों का इतिहास जितना गौरवमयी है उतना ही ज्यादा मार्मिक हैः मोदी

उदयपुर, (कासं) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिवसीय यात्रा पर मानगढ धाम पहुंचे, जहाँ उन्होंने गौरव गाथा कार्यक्रम में भाग लिया हालांकि जैसी संभावना थी कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करेंगे, पर ऐसा नही हुआ और इस आदिवासी अंचल के बाशिंदों को निराशा हुई। फिर भी चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों के पाले में यह मुद्दा डालकर इस सम्बन्ध में कुछ उम्मीद को जिन्दा रखा।

पीएम मोदी ने आदिवासी शहीदों को एक बार फिर से याद किया। उन्होंने राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत की तारीफ करते हुए कहा कि वे इस समय सबसे सीनियर नेता हैं। जब मैं गुजरात का सीएम था तब मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। तब भी हम सबमें सबसे सीनियर थे और आज भी इस मंच पर वे सबसे सीनियर सीएम हैं।

वहीं मानगढ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने पर उन्होंने कहा कि चार राज्यों राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों से अपील करता हूं। इसके लिए एक रोडमैप तैयार करें, इसके लिए वर्ल्ड क्लास विकास के लिए चारों राज्य काम करें। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मानगढ धाम और गुरू गोविंद सिंह का स्मृतिस्थल ऐसा तैयार किए जाए कि बाद में इसे राष्ट्रीय स्मारक नाम दें या और कोई नाम दें, नाम तो कुछ भी दे दिया जाएगा, लेकिन इसके पहले इसका विकास किया जाए।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आदिवासियों का इतिहास जितना गौरवमयी है उतना ही ज्यादा मार्मिक है। यह मानगढ धाम इन्ही आदिवासियों की धरती है। झारखंड के कोल विद्रोह के नायक बुधु भगत को आज कौन नहीं जानता। हजारों की संख्या में खुद का बलिदान देने वाले आदिवासियों का कहानी सुनकर आंखों से आंसू तक आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि कल शाम ही अहमदाबाद से उदयपुर चलने वाली ट्रेन को मैंने हरी झंडी दिखाई है। इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा। इससे आदिवासी इलाकों को एक.दूसरे से जुडने का मौका मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने सीएम गहलोत ने मांग रखी कि मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया जाए। साथ ही सीएम गहलोत ने राजस्थान की चिरंजीवी योजना को राष्ट्रीय योजना घोषित करने और बांसवाडा-उदयपुर ट्रेन भी शुरू करने की मांग की।

सीएम ने कहा कि इस मेवाड की धरती का अपना गौरवशाली इतिहास रचा है। साल 1913 में गोविंद गुरू के सानिध्य में आदिवासियों ने संघर्ष किया। उनकी कहानी बेहद गौरवमयी और मार्मिक है। इससे पहले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आजादी के लिए हमारे कई आदिवासियों भाइयों ने बलिदान दिया है। 1507 से ज्यादा भील भाइयों ने अपने प्राणों की बली दी थी।

मानगढ धाम के गौरव गाथा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल, महेश शर्मा, चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी, उदयपुर सांसद अर्जुनराम मीणा, जसकौर मीना, कनकमल कटारा, दीया कुमारी, अरुण सिंह, मंत्री रामलाल जाट, विधायक मदन दिलावर, भवानी जोशी, धन सिंह रावत, राजेंद्र राठौड सहित भाजपा और कांग्रेस के कई नेता मौजूद रहे।

शहीदी मानगढ धाम पर जनता का अभिवादन स्वीकार करते पीएम मोदी, सीएम गहलोत, केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल व अन्य नेता।

- पीएम ने अपने भाषण से आदिवासियों को सम्मोहित किया

मंत्री के आश्वासन के बाद सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त

हड़ताल के समापन पर आंदोलनरत सफाईकर्मी दिखे खाली हाथ

हड़ताल समाप्त होने पर सफाईकर्मियों ने मंत्री डॉ. गर्ग को गुलदस्ता भेंट कर आभार जताया।

भरतपुर, (निसं)। 43 दिन तक चली सफाईकर्मियों की हड़ताल का समापन ऐसे होगा ये किसी ने सोचा भी नहीं था। जिसमें आंदोलनकारियों को कुछ भी नहीं मिलेगा। इस हड़ताल से दीपावली त्यौहार सहित 43 दिन तक लोग परेशन रहे।

हड़ताल समाप्ति का मामला चर्चा का विशय बना हुआ है । राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने सफाईकर्मियों के प्रतिनिधिमंडल की मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का आश्वासन पर ही सफाईकर्मियों ने अपनी हड़ताल खत्म कर दी। जबकि नगर निगम के महापौर अभिजीत कुमार जाटव हडताल कर रहे सफाईकर्मियों को करीब एक माह से यही बोल रहे हैं कि सफाईकर्मियों की मांगों का प्रस्ताव बना कर मुख्यमंत्री के पास भेजा जाएगा। तभी कुछ हो सकता है। जिसे सफाईकर्मियों ने नहीं माना और हड़ताल करीब एक माह तक खिंची। इस दौरान सफाईकर्मियों की हडताल का नेतृत्व कर रहे जनता आंदोलन के संयोजक राघवेन्द्र सिंह को दो बार गिरफ्तारी का भी सामना करना पड़ा। वहीं एक बार उनके साथ कई सफाईकर्मी भी गिरफ्तार हुए। सफाईकर्मी पुलिस के आमने सामने भी हुए। उनकी सिर्फ एक प्रमुख मांग थी कि उनका मासिक वेतन 15 हजार रूपये किया जाए। जिसे नगर निगम प्रशासन, जिला प्रशासन, सफाई कंपनी लॉयन व मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने सिरे से नकार दिया था।

सफाईकर्मियों को यहां तक बताया गया कि भरतपुर में कंपनी के द्वारा ठेका सफाईकर्मियों को सबसे ज्यादा वेतन मिल रहा है और इससे ज्यादा देने का नियम हाल फिलहाल है ही नहीं। सफाईकर्मियों को बताया गया था कि उनकी मांग जायज नहीं है। वहीं सफाईकर्मी इस जिद पर अडे थे कि जब तक वेतन 15 हजार नहीं कर दिया जाता हडताल खत्म नहीं होगी। वहीं कुछ दिनों पूर्व भाजपा के पूर्व विधायक विजय बंसल एवं पूर्व महापौर शिव सिंह भौंट ने भी आंदोलन में एंट्री मारी और सफाईकर्मियों की मांगों को जायज बताया। राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग उनसे मिलने पहुंचे सफाईकर्मियों के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखेंगे। उनके प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलवा कर पूरे राजस्थान के सफाईकर्मियों का पक्ष रखेंगे। जिस पर सफाईकर्मियों ने हड़ताल खत्म कर दी।

जन-विरोधी नितियों के खिलाफ भाजपा का धरना आठ को

गंगापुर सिटी में प्रेस वार्ता को संबोधित करते पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर।

गंगापुर सिटी, (निसं)। राज्य की अशोक गहलोत सरकार सभी मोर्चों पर पूर्णतया विफल रही है। राज्य में कानून व्यवस्था चौपट है, भ्रष्टाचार चरम पर है, गांव- गरीब की सुनने वाला कोई नही है, एमएलए अपने आप को मिनी मुख्यमंत्री समझ रहे है, उक्त विचार पूर्व विधायक मान सिंह गुर्जर ने प्रेस वार्ता के दौरान व्यक्त किए। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने कहा कि गंगापुर सिटी में भ्रष्टाचार चरम पर है।

विधायक के इशारे पर सरकारी व मंदिर माफी की जमीनों पर कब्जे हो रहे है और प्रशासन हाथ पर हाथ धरे आंख मूंद कर बैठा है। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीनों व मंदिर माफी की जमीनों को अगर प्रशासन ही नहीं बचायेगा तो कौन बचायेगा। परन्तु अधिकारियों की जबान पर लगाम लगी हुई है। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिकारियों पर 10 करोड रूपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि पाइप लाइन डालने व नल कनेक्शनों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है।

जलदाय विभाग को 16 हजार कनेक्शन करने थे जिसमें से मात्र 6 हजार कनेक्शन हुए है। आखिर वो 10 हजार कनेक्शन कहां गए। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक व अधिकारियो की मिली भगत के अनुसार हो रहा है। उन्होंने महामहिम राज्यपाल से इन मामलों की जांच कर भ्रष्टाचारियों को बेनकाब करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गंगापुर की जनता पेयजल के लिये त्रस्त है। पूर्व विधायक ने कहा इन सब मुद्दो को लेकर आगामी 8 नबम्बर को मिनी सचिवालय के सामने सरकार की नीतियों के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

प्रेसवार्ता मे पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, सभापति शिवरतन अग्रवाल, उप सभापति वीरू पुजारी, जिला महामंत्री मनोज बंसल, मंडल महामंत्री मिथलेश व्यास, ओबीसी मोर्चा जिला मंत्री संदीप सिंह मौजुद रहे।

होटल संचालक और कर्मचारी से मारपीट

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र की मेजा रोड पर स्थित एक होटल पर खाने के बाद बिल देखकर आक्रोशित युवकों ने होटल संचालक व कर्मचारी पर चाकू व लाठियों से हमला कर दिया।

पुलिस के अनुसार, भादू निवासी सुरेश चंद्र खटीक (40) की मेजा रोड पर भैरूनाथ के नाम से होटल है। 30 अक्टूबर को वह अपनी होटल पर था। होटल पर ही काम करने वाला महेंद्र सिंह पुत्र लादूसिंह निवासी भादू भी वहीं था। शाम करीब 7 बजे मुकेश गुर्जर व उसके तीन साथी होटल पर खाना खाने आए। खाने के बाद होटल संचालक सुरेश ने रात करीब 8-8.30 बजे खाने का बिल 1900 रुपये का मुकेश गुर्जर को बिल दिया। इस पर उसने सुरेश से कुछ रुपये कम करने को कहा तो सुरेश ने 100 रुपये कम देने की बात मुकेश से कही। इस पर मुकेश गुर्जर के साथी ने आक्रोश में होटल संचालक को जान से मारने की नियत से सिर पर लाठी से वार कर दिया। इसके बाद उस पर चाकू से वार किया, जो उसके होंठ पर लगा।

होटलकर्मी महेंद्र सिंह, होटल संचालक सुरेश को बचाने गया तो उसके साथ भी लकड़ी व चाकू से मारपीट की। उसे भी सिरव पीठ पर चोट लगी। पुलिस ने सुरेश की रिपोर्ट पर मारपीट, जान लेवा हमला और एससीएसटी के तहत केस दर्ज किया है।

- आक्रोशित युवकों ने चाकू और लाठियों से होटल संचालक पर हमला किया

गोविन्द गिरि ने परिवार खोया लेकिन हौंसला नहीं: मोदी

बांसवाड़ा, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मानगढ़ धाम पहुंचकर गोविन्द गिरि की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सांसद कनकमल कटारा प्रधानमंत्री के साथ थे। प्रधानमंत्री को देखने और सुनने की चाह में हजारों आदिवासी अपने पारम्परिक वाद्ययंत्रों के साथ सभास्थल पर पहुंचे। ढोल-थाली, कुंडी, शहनाई आदि की गूंज सुनाई दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि शहीदी मानगढ़ धाम के प्रणेता गोविन्द गिरि ने परिवार खोया लेकिन हौंसला नहीं और इसी हौंसले के दम पर उन्होंने हर आदिवासी कमजोर और गरीब को अपना परिवार बनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शहीदी मानगढ़ धाम पर कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत आयोजित सभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि गोविन्द गुरु लाखों आदिवासियों के नायक थे उनकी धूणी आज भी मानगढ़ धाम पर प्रज्ज्वलित है। मोदी ने कहा कि 17 नवंबर 1913 में मानगढ पर जो नरसंहार हुआ था वह अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की पराकाष्ठा थी। मोदी ने कहा कि 1857 की क्रान्ति से पहले आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल फूंका था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश आदिवासी समाज के बलिदानों का ऋणी है। प्रकृति से लेकर पर्यावरण और संस्कृति से लेकर परम्पराओं को आदिवासी समाज ने सहेजा है। उन्होंने 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाये जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान, गुजरात से लेकर पूर्वोत्तर और ओडिशा तक विविधता से भरे आदिवासी समाज के लिये देश स्पष्ट विचार के साथ काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के बाद वे जामूगोडा जा रहे हैं जहां गोविन्द गुरु के नाम पर बनी यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन का लोकार्पण करेंगे।

सभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, एमपी के राज्यपाल मंगू पटेल आदि मंच पर मौजूद रहे।

असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही की मांग

परबतसर, (निसं)। ग्राम बस्सी में विधायक रामनिवास गावडिया व पीसीसी सदस्य बृजकिशोर मेहरडा का दीपावली स्नेह मिलन की बधाई का लगा पोस्टर असामाजिक तत्वों ने फाड़ दिया वहीं पास में लगाए दूसरे नेताओं के पोस्टर, मानवाधिकार परिषद के प्रदेश सचिव दीनानाथ योगी ने नाराजगी जाहिर की तथा पुलिस से आरोपियों को पकडने की मांग करते हुवे सख्त कारवाई की मांग है। योगी ने आईजी, एसपी, डिप्टी, पीलवा थानाधिकारी को मेल की जिसमे गुस्सा जाहिर करते हुए कहा की जब असामाजिक तत्व विधायक का बधाई का पोस्टर फाड सकते है तो उनके हौसले कितने बुलंद है। बस्सी सरपंच प्रतिनिधि जगदीश मेघवाल, महावीर नाहर आदि ने विधायक के पोस्टर फाडने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

सीएम के स्वागत के दौरान कांग्रेसियों व पुलिस में बहस

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आप पार्टी को तो गुजरात वासियों द्वारा प्रवेश की अनुमति नहीं देनी चाहिए क्योंकि इन्होंने अपने पोस्टर्स में शहीद भगतसिंह व अम्बेडकर की फोटो लगाई लेकिन महात्मा गांधी को भूल गए।

रविवार देर शाम उदयपुर पहुंचे सीएम ने सर्किट हाउस में मीडिया से संक्षिप्त मुलाकात में कहा कि दुनिया भारत को गांधी के नाम से जानती है। पीएम मोदी दुनिया के मुल्कों में जाते हैं तो वहां लोग कहते हैं कि गांधी के देश से आए हैं। इन्होंने शिक्षा स्वास्थ्य छात्रवृत्ति सहित हमारे कई मॉडल कॉपी कर लिए।

सीएम गहलोत ने कहा कि मोदीजी मीडिया को दबाव में रखते हैं और केजरीवाल पैकेज दे के रखते हैं। जबकि काम हम करते हैं मार्केटिंग वो कर रहे हैं। गहलोत देर रात करीब 10 बजे उदयपुर सर्किट हाउस पहुंचे थे और मंगलवार सुबह 8.30 बजे बांसवाडा के लिए रवाना हो गए। सीएम के साथ जिला प्रभारी एवं राजस्व मंत्री रामलाल जाट, पूर्व सांसद रघुवीर मीणा भी थे। सीएम ने मंगलवार सुबह सर्किट हाउस में ही आमजन के ज्ञापन लिए एवं जनसुनवाई की। इस दौरान अधिकारियों को इन समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात यहां से हेलीकॉप्टर के माध्यम से मानगढ पहुंचे। पुनः दोपहर में मानगढ से प्रस्थान कर उदयपुर पहुंचे एवं अल्प विश्राम कर यहां से अजमेर प्रस्थान किया। सर्किट हाउस में सीएम के स्वागत के लिए खड़े कुछ कांग्रेस नेताओ की पुलिस से बहस भी हो गई जिसे वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत ने समझाइश कर शांत किया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा को लेकर गहलोत ने कहा कि रोज 25 किमी चलना हर किसी के बस की नहीं है। राहुल चलते हुए बेरोजगारी-महंगाई जैसे मुद्दे भी उठा रहे हैं। मोदी के शासन में तो कोई उनकी नीति से असहमति व्यक्त कर दे तो वो दुश्मन हो जाता है। ये तो फासिस्ट लोग हैं भाजपा के लिए तो लोकतंत्र चुनाव जीतने का साधन है। इसीलिए ये लोग धर्म-जाति के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।

हत्या प्रकरण में 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने 30 अक्टूबर की रात्रि को बैरासर छोटा में एक युवक की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या करने के प्रकरण में डीएसटी चूरू के सहयोग से घटना के मात्र 24 घंटो में एक आरोपी को गाँव सोमासी से दस्तयाब किया जाकर अनुसंधान के बाद आरोपी कर्मवीर उर्फ छोटू पुत्र हरिसिंह जाति जाट उम्र 45 साल निवासी बैरासर छोटा पुलिस थाना राजगढ को गिरफ्तार किया गया है। तथा आरोपी से घटनाक्रम व घटना में अन्य आरोपियों की संलिप्तता के संबन्ध में गहन पुछताछ व अनुसंधान जारी है।

राजगढ थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा ने बताया कि गिरफ्तारशुदा आरोपी कर्मवीर उर्फ छोटू द्वारा 31 अक्टूबर 2021 को घटना के मृतक सुनिल कुमार के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करवाया गया था। जिसमें दौराने इलाज गिरफ्तारशुदा आरोपी कर्मवीर उर्फ छोटू की पत्नी संतोष की मृत्यू हो गई थी, जिस मामले में पुलिस द्वारा प्रकरण के अनुसंधान में इस घटना के मृतक सुनिल कुमार के खिलाफ मामले में विभिन्न धाराओं में न्यायायल में चालान पेश किया गया था। जिसमें आरोपी करीब 4-5 महिने जेल में रहने के बाद वर्तमान में जमानत पर आया हुआ था। उक्त मामले की रंजिशवंश ही मृतक सुनिल कुमार की हत्या किया जाना प्रारम्भिक पुछताछ व अनुसंधान में सामने आया है तथा गिरफ्तारशुदा आरोपी कर्मवीर उर्फ छोटू से पुछताछ व अनुसंधान जारी है।

ज्ञातव्य है कि इस संबन्ध में मृतक के चचेरे भाई संदीप पुत्र महेन्द्र सिंह जाति जाट निवासी बैरासर बुधू ने राजगढ थाने में इस आरोप का मामला दर्ज करवाया था कि रविवार देर शाम उसके ताऊ का लडका सुनील पुत्र कर्ण सिंह बाइक लेकर बैरासर बुधू से बैरासर गुमाना की तरफ जा रहा था। जैसे ही वह गाँव बैरासर की सरकारी स्कूल से पहले मेहरचन्द राव के नोहरे के सामने पहुँचा तो आरोपी विजेन्द्र, कर्मवीर, धर्मवीर पुत्र हरिसिंह महिया, सुनिल, टिंकू पुत्र विजेन्द्र, कमला पत्नी विजेन्द्र, पुनम पुत्री कर्मवीर जाति जाट निवासी बैरासर छोटा व दो-तीन अन्य थे, जिन्होंने पूर्व एकराय होकर षडयत्र रचकर सभी ने अपने हाथों में लाठिया लेकर सुनील को बाइक सहित रोक कर सभी ने सुनील की लठो से मारपीट की, जिससे सुनिल को काफी चोटें लगी।

इसी दौरान उसने व उसके चाचा एवं बीरसिंह पुत्र अमरचन्द तीनों ने एटीएम से उनके घर की तरफ आते देखा तो उनके सामने घटना कारित कर रहे थे। हल्ला मचाने पर सभी वहां से भाग गये तथा पास जाकर देखा तो सुनिल की मौत हो चुकी थी। सुनिल के खिलाफ कर्मवीर की पत्नी संतोष की पूर्व में मृत्यु हो गई थी, उसका पूर्व में मुकदमा चल रहा है।

हादसे में बहन की दर्दनाक मौत

धौलपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के राजाखेड़ा सड़क मार्ग पर जाटोली गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी। जिला अस्पताल में बहन को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया वहीं भाई का उपचार किया जा रहा है। भाई बाइक पर बैठाकर बहन को ससुराल छोड़ने जा रहा था। परिजनों से मिली जानकारी में लोहारी निवासी मुकेश शर्मा बहन प्रीति पत्नी कमल किशोर कटारा को बाइक पर बिठाकर उसकी ससुराल खेरली छोड़ने जा रहा था।

- सदर थाना क्षेत्र के जाटोली गांव में हुई घटना

मंगलवार शाम को बाइक सवार भाई बहन जैसे ही जाटोली गांव के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दुर्घटना स्थल पर पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने सदर थाना पुलिस को सूचित कर दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर प्रीति को मृत घोषित कर दिया। भाई को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया है। दुर्घटना की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस जिला अस्पताल पहुंच गई। पुलिस ने डेड बॉडी को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल से शव गृह में रखवाया। मौके पर पहुंचे परिजन दहाड़ मारने लगे।

लेटा महंत ने मध्यस्थता कर अनशन तुड़वाया, धरना जारी रहेगा

भारतीय किसान संघ के बैनल तले चल रहे अनशन के दौरान कई किसानों की तबीयत खराब हो गई

जालोर, (कासं)। जालोर जिला मुख्यालय पर भारतीय किसान संघ के बैनर तले जवाई बांध से नदी में पानी छोड़ने को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन मंगलवार को महापडाव में तब्दील होता नजर आया। मंगलवार को धरना स्थल पर आमरण अनशन पर बैठे तीन - चार किसानों की तबीयत खराब होने की सूचना पर आखिर लेटा महंत रणछोड़भारती महाराज को किसानो के बीच पहुंचकर अनशन तुडवाना पड़ा। धरना स्थल पर मंगलवार को किसानो ने महापडाव रखते हुए लापसी बनाईं। धरना में बैठे अन्य किसानो ने अनशनकारियों के समक्ष लापसी खाई। महंत रणछोडभारती महाराज काफी नाराज हुए। वहीं उन्होंने एक प्रतिनिधि मंडल जयपुर भेजने को लेकर जन अभाव निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर से वार्ता की। जिसके बाद किसानो का एक प्रतिनिधि मंडल जयपुर रवाना होगा। जब तक कलैक्ट्रेट के समक्ष धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

जालोर जिला मुख्यालय पर कलैक्ट्रेट के समक्ष जवाई बांध का पानी नदी में छोडने व सात घंटे बिजली देने की मांग को लेकर किसानो का अनिश्चिकालीन धरना व 25 किसानो का आमरण अनशन मंगलवार को भी जारी रहने पर किसानो में आक्रोश देखा गया। किसानो ने मंगलवार को महापडाव का एलान करते हुए धरना स्थल पर ही राशन सामग्री लेकर पहुंच गये तथा सुगन के रूप में लापसी बनाई। वही धरना स्थल पर अनशनकारियों के समक्ष ही अन्य लोगो ने जमकर लापसी का स्वाद चखा। जिसको लेकर कई किसान नाराज नजर आये। धरना स्थल पर अनशन कर रहे तीन चार उम्रदराज किसानो की तबीयत खराब होने पर उन्हे हॉस्पीटल पहुंचाया गया। जिसके बाद प्रशासन भी हरकत में आया तथा प्रशासन के भी हाथ पैर फूल गये। जिला कलैक्टर निशांत जैन द्वारा एक बार भी धरना स्थल पर पहुंचकर किसानो की सुध नही लेने से किसानो में जिला कलैक्टर के प्रति भी आक्रोश देखा गया। ऐसे में करीब छह दिन से किसान अपनी मांगो लेकर अपने घर बाहर छोड़कर धरने पर बैठे है। लेकिन प्रशासन व सरकार की ओर से किसानो के हक की मांगो को लेकर कोई ठोस कदम नही उठाने से जिलेभर में प्रशासन व सरकार के खिलाफ लोगो में नाराजगी देखी जा रही है। दिनभर किसानो का धरना स्थल पर जमावाडा देखा गया। लेकिन उम्रदराज किसानो के अनशन पर बैठने पर चिंता बढने पर मंगलवार शाम को लेटा महंत रणछोड़ भारती ने पहुंचकर ज्यूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। जबकि किसानों ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया। अब एक प्रतिनिधिमंडल जयपुर जाकर किसानों के हक की बात सरकार के साथ करेगा। जवाई बांध के पानी को नदी में छोड़ने की मांग को लेकर जालोर जिला मुख्यालय पर छह दिनों से किसानों ने धरना दिया हुआ है। इसमें 25 किसान चार दिन से अनशन पर बैठे हुए है। उधर अनशन कर रहे भूखे किसानों के बीच अन्य पदाधिकारियों ने लापसी बनाकर धरना स्थल पर ही खानी शुरू कर दी। शाम को लेटा मंदिर के महंत रणछोड़ भारती धरना स्थल पर पहुंचे, उनका कहना था कि एक तरफ किसान भूखे बैठे है, वहीं दूसरे किसान उसी स्थान पर लापसी जीम रहे है, यह ठीक नहीं है। भूखे रहे किसानों ने क्या बिगाडा है। उन्होंने अनशनकारियों को ज्यूस पिलाकर अनशन तुडवाया, पदाधिकारियों ने धरना जारी रखने का निर्णय किया। अब एक प्रतिनिधिमंडल जयपुर जाकर अधिकारियों से वार्ता करेगा।

जवाई बांध का नदी में छोड़ने को लेकर किसानो का जिले के जनप्रतिनिधियों का पूर्ण सहयोग नही मिलने से नाराजगी देखी जा रही है। ऐसे में मंगलवार को धरने के छठे दिन सांसद देवजी पटेल धरना स्थल पर पहुंचे। लेकिन अभिवादन करने के लिए एक भी किसान खड़ा तक नही हुआ।

जालोर में किसानों का आमरण अनशन लेटा महंत रणछोड़ भारती महाराज ने तुड़वाया।